[This question paper contains 02 printed pages.]

Roll Number : …….

Unique Paper Code : 121302401

Title of the Paper : EC-A 401, Yajurveda, Atharvaveda & Pratiṣākhya
यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य

Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2022

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणीः अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : **9 x 2 = 18**

   Explain any **two** of the following Mantras :

   (क) शर्मास्यवधूतꣳ रक्षोऽवधूता अरातयोऽदित्यास्त्वगसि प्रति त्वादितिर्वेत्तु।
   अद्रिरसि वानस्पत्यो ग्रावासिपृथुबुध्नः प्रति त्वादित्यास्त्वग्वेत्तु।।

   (ख) धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान्धूर्वति तं धूर्व यं वयं धूर्वामः।
   देवानामसि वह्नितमꣳ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्।।

   (ग) कृष्णोऽस्याखरेष्ठोऽग्नये त्वा जुष्टं प्रोक्षामि वेदिरसि बर्हिषे
   त्वां जुष्टं प्रोक्षामि बर्हिरसि स्रुग्भ्यस्त्वा जुष्टं प्रोक्षामि ।।

   (घ) घृताच्यसि जुहूर्नाम्ना सेदं प्रियेण धाम्ना प्रियꣳ सद आसीद घृताच्यस्युपभृन्नाम्ना सेदं प्रियेण धाम्ना प्रियꣳ सद आसीद घृताच्यसि ध्रुवा नाम्ना सेदं प्रियेण धाम्ना प्रियꣳ सद आसीद प्रियेण धाम्ना प्रियꣳ सद आसीद। ध्रुवा असदन्नृतस्य यौनौ ता विष्णो पाहि पाहि यज्ञं पाहि यज्ञपतिं पाहि मां यज्ञन्यम्।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए जिनमें से एक **संस्कृत** में हो: **9 + 7 = 16**

   Explain any two of the following Mantras of which **one** must be in **Sanskrit**.

   (क) विद्म शरस्य पितरं पर्जन्यं भूरिधायसम्।
   विद्मो ष्वस्य मातरं पृथिवीं भूरिवर्पसम्।।

   (ख) युनक्त सीरा वि युगा तनोत कृते योनौ वपतेह बीजम्।
   विराजः श्नुष्टिः सभरा असन्नो नेदीय इत्सृण्यः पक्वमा यवन्।।

(ग) मस्तिष्कमस्य यतमो ललाट ककाटिकां प्रथमो यः कपालम्।
चित्वा चित्यं हन्वोः पूरुषस्य दिवं रुरोह कतमः स देवः।।

(घ) कालो अश्वो वहति सप्तरश्मिः सहस्राक्षो अजरो भूरिरेताः।
तमारोहन्ति कवयो विपश्चितस्तस्य चक्रा भुवनानि विश्वा।।

3. (क) अथर्ववेद के **ओषधि सूक्त** अथवा **भूमि सूक्त** की विषयवस्तु एवं उसके समसामयिक महत्त्व का विवेचन कीजिए। **07**

Discuss the subject matter of **Oshadhi Sukta** or **Bhumi Sukta** and analyse its importance in the contemporary world.

(ख) यजुर्वेद के प्रथम एवं द्वितीय अध्याय में प्रतिपादित यज्ञ के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। **07**

Analyse the concept of Yajna according the first & second chapter of Yajurveda.

अथवा Or

यज्ञीयपात्रों का प्रयोग समझाते हुए उनके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the importance and uses of Yanjapatras.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **छह** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये : **6 x 2 = 12**

Explain and illustrate any **six** of the following sutras.

(क) देवताद्वन्द्वानि चानामन्त्रितानि।
(ख) ऐकारौकारयोः कण्ठ्या पूर्वा मात्रा ताल्वोष्ठ्योरुत्तरा।
(ग) लौकिकानामर्थपूर्वकत्वात्।
(घ) इचशेयास्तालौ।
(ङ) चछयोः शम्।
(च) एकारेकारोकारा द्विवचनान्ताः।
(छ) लुङ्मुदिजित्परे।
(ज) नो नौ मे मदर्थे त्रिद्व्येकेषु।
(झ) प्रथमोत्तमाः पदान्तीया अच्च्यौ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए : **5 x 2 = 10**

Define and illustrate any **five** of the following.

उपधा, सिम्, मुत्, धि, जात्य, नति, सवर्ण, प्रश्लिष्ट, भावी